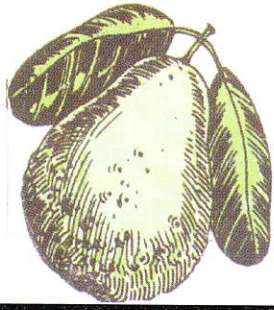


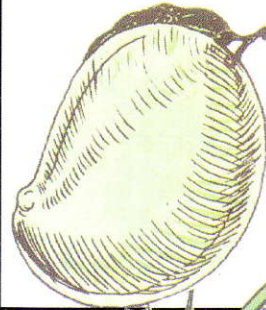
ब्राह्मी लिपि प्रवेशिका
𑀧𑀢𑀺𑀓𑀢𑀺𑀓 𑀓𑀢𑀺𑀓 𑀢𑀺𑀓𑀢𑀺𑀓

अ ए अ य
ज ङ अ अ
𑀚𑀢𑀺𑀓 > अ अ
स य ए ष

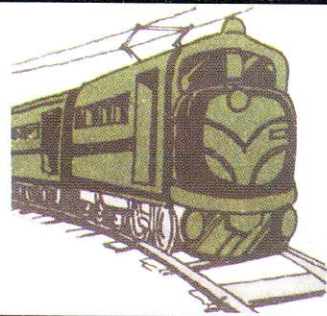
कुन्दकुन्द भारती
नयी दिल्ली



अ
अमरूद



आ
आम



इ
इंजन



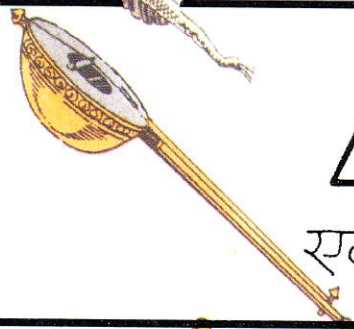
ई
ईख



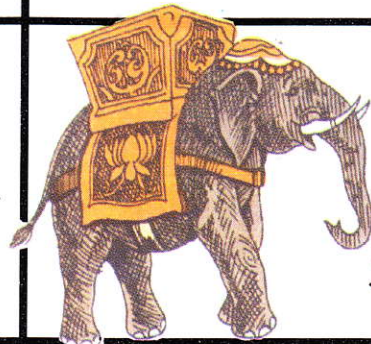
उ
उल्लू



ऊ
ऊंट



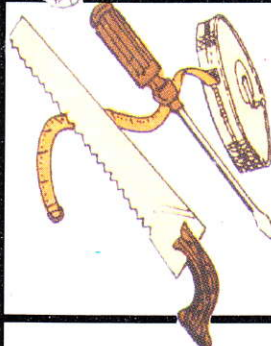
ए
एकतारा



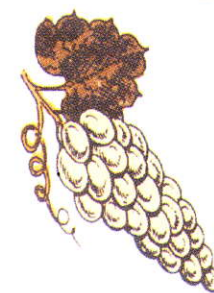
ऐ
ऐरावत



औ
औखली



औ
औजार



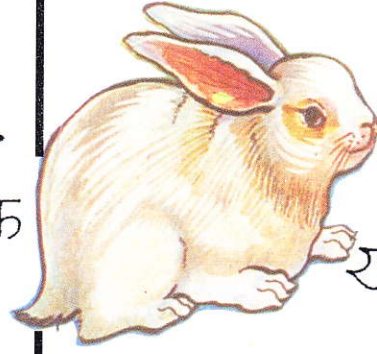
अं
अंगूर



अः
अः



क
कमल



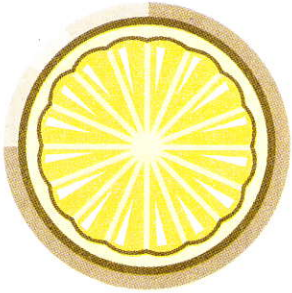
ख
खरगोश



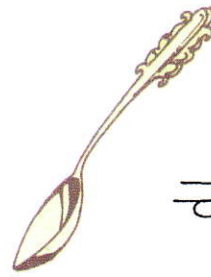
ग
गमला



घ
घर



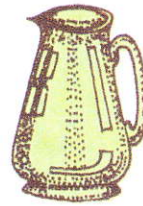
ड
ड



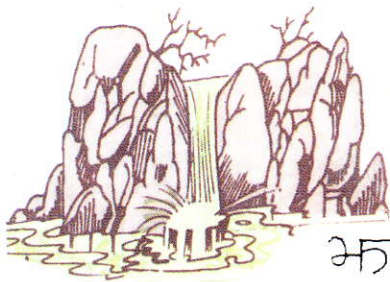
च
चम्मच



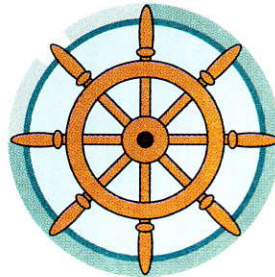
छ
छड़ी



ज
जग



झ
झरना



ञ
ञ



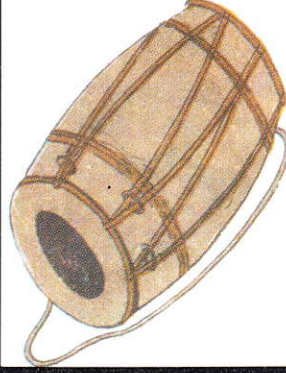
ट
टमाटर



ठ
ठैला



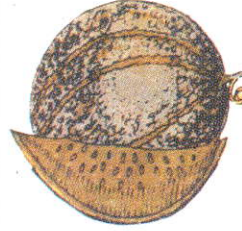
ड
डलिया



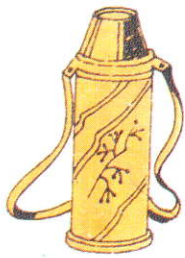
ढ
ढोलक



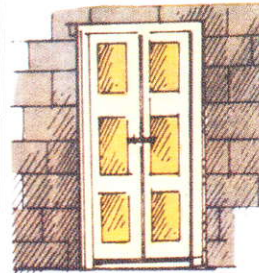
ण
णमः



त
तरबूज



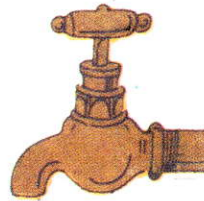
थ
थरमस



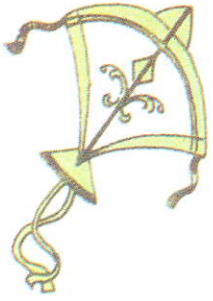
द
दरवाजा



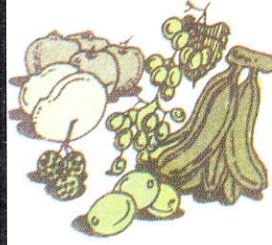
ध
धनुष



न
नल



प
पतंग



फ
फल



ब
बस



भ
भगत



म
मटर



य
यज्ञ

र
रस्सा



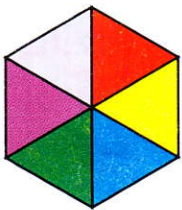
ल
लट्ट



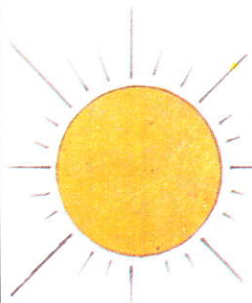
व
वर्षा



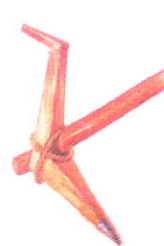
श
शलगम



ष
षट्कोण



स
सूरज



ह
हल

स्वर —

× × ∴ ∴ ⋮ ⋮ L E Δ ▽ 7 7 × ×:

व्यंजन —

+	१	Λ	८	[
d	ॐ	ε	π	π					
C	○	r	6	I					
λ	⊙	१	D	⊥					
u	6	□	π	8					
↓	}	v	o	^	e	~	u		

स्वर-चिह्न —

f	f	f [#]	t	t	7	7	7	7	7	7:
g	g	g [#]	१	१	१	१	१	१	१	१:
Λ	Λ	Λ [#]	Λ	Λ	Λ	Λ	Λ	Λ	Λ	Λ:
E	E	E [#]	८	८	८	८	८	८	८	८:
π	π	π [#]	d	d	d	d	d	d	d	d:
ॐ	ॐ	ॐ [#]	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ:
ε	ε	ε [#]	ε	ε	ε	ε	ε	ε	ε	ε:
π	π	π [#]	π	π	π	π	π	π	π	π:
π	π	π [#]	π	π	π	π	π	π	π	π:
⊥	⊥	⊥ [#]	C	C	C	C	C	C	C	C:
○	○	○ [#]	○	○	○	○	○	○	○	○:
π	π	π [#]	π	π	π	π	π	π	π	π:
6	6	6 [#]	6	6	6	6	6	6	6	6:
I	I	I [#]	I	I	I	I	I	I	I	I:

ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ
।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ
ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ
ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ
ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ
ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ
ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ
ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ
ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ
ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ
ॠ	ॡ	ॢ	ॣ	।	॥	०	ॠ	ॡ	ॢ	ॣ

संयुक्त-व्यंजन

क्य	कृ	ख्य	ग्य	य्य	त्र	त्व	द्व	ढ्व	ध्व	ध्र
न्य	प्र	प्त	ब्र	भ्य	म्य	म्ह	व्य	व्व	व्व/व्र	स्व
स्त	स्प	स्म	स्य	स्र	स्व	ह्य	ह्व	ह्व		

अ तथा आ की मात्रा का प्रयोग

अब छत चल रथ हठ डग जय

नर कल सब मत घर थल चख

कमल इधर भवन पनघट बरतन अचकन

हार बाबा ताला छाता राजा माता आकाश गाजर

अनार पावन उजाला चावल पाठशाला महाराज



बाजार जाकर फल ला. अनानास खा.

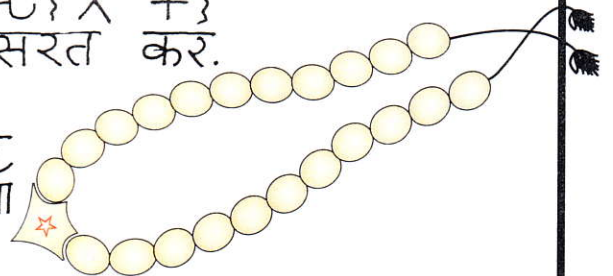
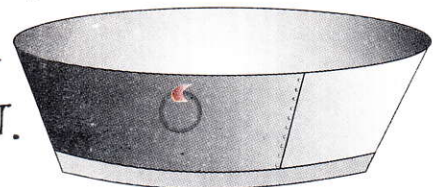
अनार का रस चख. आम का फल ला.

नल पर जा तब भर जल ला.



उठ चल कसरत कर.

मामा आया बाजा तथा हार लाया



आकाश पर बादल छाया.

बादाम का हलवा बना कर खा.

इ तथा ई की मात्रा का प्रयोग

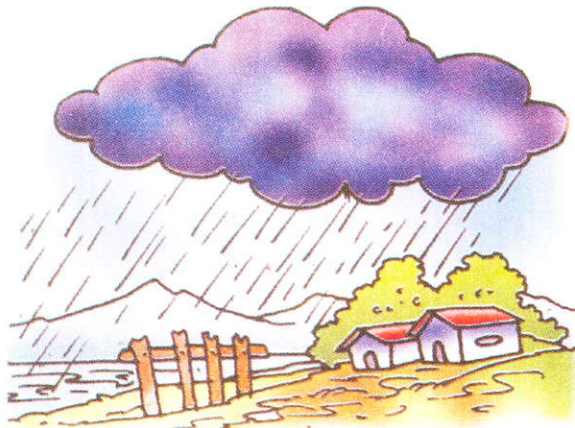
+ठ इ॒त॒ ब॒ल॒ स॒त॒ ख॒ल॒ र॒व॒ न॒ध॒ वि॒ध॒ छ॒वि॒
कवि दिन बिल तिथि खिल रवि निधि विधि छवि

फ॒स॒ क॒ ह॒र॒ स॒तार॒ नि॒शान॒ तिल॒क॒ हि॒साब॒ कि॒शमि॒श
किताब हिरण सितार निशान तिलक हिसाब किशमिश

मी॒रा गी॒त पा॒नी हाथी॑ मी॒न वी॒णा डाली॑ थाली॑ कली॑ भील॑

शी॒तल॑ असली॑ छतरी॑ बकरी॑ कहानी॑ दिवाली॑ मछली॑

दादी॑ नानी॑ बिजली॑ जीवन॑ गरमी॑ सरदी॑ विशाल॑



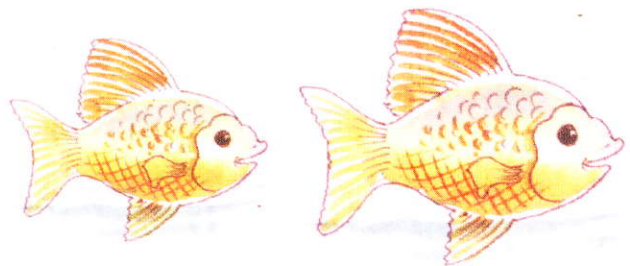
बा॒दल॑ छा॒य बि॒जली॑ च॒मकी॑

पा॒नी ब॒रसा॑ रि॒मकि॑म छ॒मछ॑म

ग॒रमी॑ भा॒गी ह॒रियाली॑ छा॒यी

म॒छली॑ जल॑ की॒ रानी॑

जी॒वन॑ इ॒सका॑ पा॒नी



शी॒ला आ॒यी खी॒र लायी॑ . आ॒लसी॑ मत॒ बन॒ कि॒ताब॑ नि॒काल॑ .

कि॒शमि॒श खा॒ . ब॒छिया॑ ला॒ . डि॒बिया॑ इ॒धर॑ रख॒ नि॒शान॑ हटा॒ .

उ तथा ऊ की मात्रा का प्रयोग

४१ ±Λ ५५ ६+ Λπ ७४ ८१ ९१ ४८
 मुख कुश पुल रुक शुभ तुम धुन बुन मधु

४२ ०५Λ ४८३ +०* ८५६ ५८६ ६६५ ७५०
 चतुर बहुत मधुर कछुआ धनुष घुटना रुपया गुलाब

६८ ८५ ६५ ±६ १० ५५ ७५ ८५ ९५ ४+
 दूध धूप भूला कूप खूब फूल सूत शूल भालू जूता चूक

६६ ५६ +५३ १६३ ६६३ ७६३ ८६३ ९६३
 ऊन पूजा कपूर खजूर जरूर सूरज बबूल चूरण मूसल

७६३ ६+५ *५
 सूरज निकल आया.

८० १८+३ ५६+३
 उठ नहा कर पूजा कर.

७४५ ६३ ८०७५ ६
 समय पर पाठशाला जा

०५Λ ८४ ४७ ४५
 बहुत धीमा मत चल.



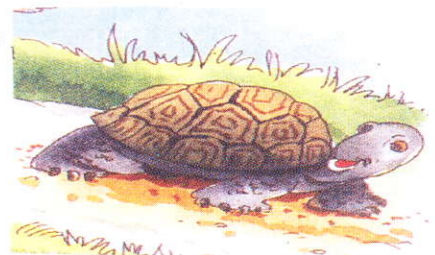
४१ ७० ६१ ७५ ८६ ९७ १० १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०
 मुख तथा नाखून सदा साफ रख. सुराही उठा कर इधर ला.

६८ ६+३ ०५३ ६ +५५ ७६ ८७ ९८ १० १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०
 दूध पीकर बाहर जा. ककड़ी और मिण्डी की भाजी खा. ऊन ला.

७६३ ६+ ६ ८+ ६६५ ७ ८६ ९६ १० १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०
 सुरेश रुक जा. एक रुपया ला. यह यमुना का पुल था.

६० १ +५ ८५ ९५ +०* ०५Λ
 भूठ न कह. धूप खिली. कछुआ बहुत

८४ ७५ ८५ ९६ १० १५ १६ १७ १८ १९ २०
 धीमी चाल चला फिर भी जीत गया.



ए तथा ऐ की मात्रा का प्रयोग



सैब खेल मेज



ढेर

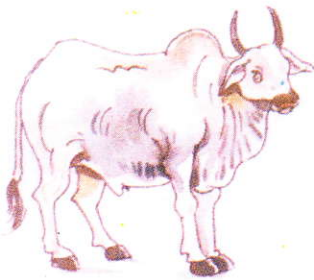


कैला बैटा

शेर

सर्वेरा लेखनी

नरेश जलेबी सितार हथेली



बैल तैर गैस



लालटेन जैसे भैया

पैसे

पैर

थैला चीन रैन

रमेश सैनिक



पैदल तैयर



रेनक

वैरागी मैदान कैलाश सैर वैशाली कैला हिरान

चमेली का तैल हथेली पर लगाकर सिर पर मल ले.

सर्वेरे उठ कर पैदल सैर करनै जाओ. विशाल मेज

पर अमरुद, कैले और सैब रख. बालक खेलने के

लिए मैदान की ओर तैजी से चल दिया है. थैला पैसे

से भरा हुआ है. किसान बैल से हल खेत में चलाता है

औ तथा औ की मात्रा का प्रयोग

तौता तौर ठौल गौल छौटा बौल धौबी कौट भौर

सौना लौहा रौज शौर धौथा घौल चौर टौली जौश

कौयल ठौकर मनौज अशौक यौजना सरौज कटौरी

कौन चौकी पौधा नौका लौट मौसी खिलौने बिछौना

कसौटी दौलत फौरन मौसम चौपाल औरत रौनक

देखौ तौता फल खा रहा है. मौर नाच रहा है.

दवाखाने से औषधि ले आओ. कौयल मीठा गाती है.

आज मौसम सुहावना है. बौली तुम कब आओगी.

सदा सच बौली. चौकीदार घर के बाहर घूमता है.

देखौ कोई आया है. खरगोश कछुए से तेज भागा,

फिर भी वह जीत न पाया. नौका से नहर पार करो.

मौसी बाजार से खिलौने लाई. जौहरी सोना परखता है.

सौना लौहे से अधिक कीमती होता है. कौआ रोटी ले भागा.

अं तथा अः का प्रयोग

‡0 ठं७ ङं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८
कंठ वंश घंटी भंडा शंख ऊंट बायां चांद आंख

४ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८
मंदिर चंदन भुजंग अंगूर बंगला बांसुरी सिंहासन

‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८
पुनः छः फलतः दुःख नमः अंततः साधारणतः

४ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८
में सवैरे छः बजे उठता हूँ. फिर बाग में घूमता हूँ.

४ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८ ‡ं८
तुम अपने कंठ में माला डालो. शेर जंगल का राजा है.

संख्याएं

—	=	≡	+	†	ε	7	7	3	∞
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

वर्णों के उपलब्ध अन्य रूप

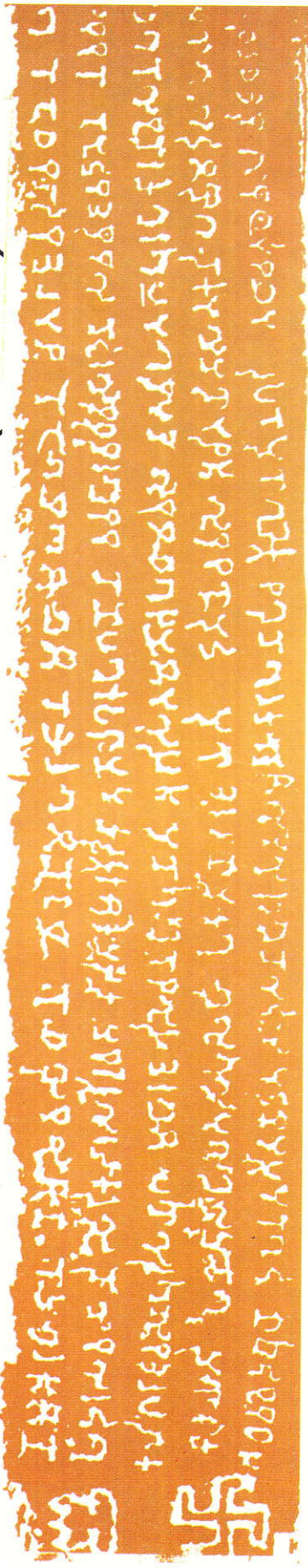
अ	५	५	५	५	आ	५	५
ख	१	१	१	१	ग	^	^
ज	ε	E			त	^	^
म	४	X			य	↓	↓

स्वर चिह्न के उपलब्ध भिन्न रूप

मौ ४ ४ ४

K	ƆƆƆD		K	ƆƆ
::	ƆƆƆ		÷	÷
L	LƆ		E	EƆ
Δ	Δ+ƆƆ		Δ	ΔƆƆƆ
Z	ZƆƆ		Z	ZƆƆ
K	KƆƆ	(K)	+	+ƆƆ
Ɔ	ƆƆƆƆ		∨	∨ƆƆ
Ɔ	ƆƆ	(Ɔ)	Ɔ	ƆƆƆ
Ɔ	ƆƆ		Ɔ	∨Ɔ
4	4ƆƆ	(4)	Ɔ	ƆƆƆ
0	0Ɔ		Ɔ	ƆƆƆ
6	6Ɔ+		I	IƆ:
Ɔ	ƆƆƆ		⊙	⊙ƆƆ
Ɔ	ƆƆƆ		D	DƆƆ
Ɔ	ƆƆ		Ɔ	ƆƆƆ
6	6Ɔ		□	□Ɔ
Ɔ	Ɔ∨Ɔ		Ɔ	ƆƆƆ
Ɔ	ƆƆ		Ɔ	ƆƆ
Ɔ	ƆƆ		Ɔ	ƆƆ
∨	∨Ɔ∨Ɔ		Ɔ	ƆƆƆ
Ɔ	ƆƆ		Ɔ	ƆƆ

सम्राट् खार्वेल शिलालेख, उत्कल (उड़ीसा)



लिपि ब्राह्मी, भाषा औड्रमागधी, समय ई.पू. दूसरी शताब्दी

णमो अरिहंतानं णमो सवसिधानं ऐरेण महाराजेन महामेघवाहनेन चेतिसाजंवसवधेन.....
कलिंग के खार्वेल सम्राट् महामेघवाहन तथा उनके राज्यकाल के तेरहवें वर्ष में
(दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व) उदयगिरी में उनका जैन सम्मेलन हुआ.....

King Mahameghevahana Kharvela of Kalinga and his Jaina council
held at Udayagiri in the 13th year of his reign (2nd Century B.C.)

(89th Inter-Parliamentary Conference), 1979

पुष्पदंतसागर जी महाराज

ॐ नमो अरिहन्तानाम्

N A M O A R I H A N T A N A M ,

-आराध्य, आराधक
और आराधन के
अभूतपूर्व संगम का नाम
हे णमोकार मंत्र।

ॐ नमो सिद्धानाम्

N A M O S I D D H A N A M ,

- जो मकारों का
मारक और विकारों
का वारक है।

ॐ नमो अरिभयानाम्

N A M O A I R I Y A N A M ,

- जो पाप से निवृत्ति और
पुण्य में प्रवृत्ति कराता है।
जिसमें अरहंत का अपूर्व
दर्शन है,

ॐ नमो उवाज्जयानाम्

N A M O U V A J J H A Y A N A M ,

सिद्धों का स्वात्मानुभावी
गुण, आचार्यों की
अपरिमेय उपस्थिति,
उपाध्यायों का उपदेशपरक
बोध,

ॐ नमो लोयेसव्वासाहुनाम्

N A M O L O Y E S A V V A - S A H U N A M .

और साधुओं की स्व से
सर्व की दिव्य यात्रा है।

ऐसे आराध्य, आराधक
और आराधन के अभूतपूर्व
संयोग को

प्रणाम-प्रणाम-प्रणाम...

॥ परमशेखर ॥